RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
सितंबर
27
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

N·S·
National
Skill Deve
Corpora

By Ankit Avasthi Sir

क्या पैरासिटामोल का ऑटिज्म से कोई संबंध है? / Paracetamol Linked To Autism?

संदर्भ:

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गर्भवती महिलाओं द्वारा एसिटामिनोफेन (टाइलेनॉल/पेरासिटामोल) के उपयोग को सीमित करने की सलाह दी है। उनका दावा है कि इसका सेवन बच्चों में ऑटिज़्म का खतरा बढ़ा सकता है। यह बयान स्वास्थ्य सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर के नेतृत्व में किए गए कई महीनों के अध्ययन के बाद आया।

WHO ने क्या कहा-

तारिक जसारेविक विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के प्रवक्ता ने कहा कि पूर्व WHO चीफ साइंटिस्ट डॉ. सौम्या स्वामीनाथन ने एक रिसर्च की थी, जिसमें निष्कर्ष निकला कि पैरासिटामोल टैबलेट सुरक्षित दवाई है।

- कई दशकों की रिसर्च में सबूत मिले हैं कि पैरासिटामोल टैबलेट प्रेग्नेंसी में बुखार आने या बॉडी पेन से राहत दिलाने में मददगार है और इसे लेकर से नुकसान नहीं होता।

पेरासिटामोल (टाइलेनॉल) क्या है?

- टाइलेनॉल पैरासिटामोल का ब्रांड नाम है और यह एक **ओवर-द-काउंटर दवा** है जिसे व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता है।
- यह दर्द निवारक और बुखार कम करने वाली दवा के रूप में काम करती है। पैरासिटामोल का उपयोग आमतौर पर सिरदर्द, पीठ दर्द, गठिया के हल्के दर्द, दांत दर्द, मांसपेशियों में दर्द, मासिक धर्म से पहले और मासिक धर्म में ऐंठन जैसी स्थितियों में किया जाता है।
- इसके अलावा यह बुखार को अस्थायी रूप से कम करने के लिए भी प्रभावी है।

टाइलेनॉल के उपयोग: टाइलेनॉल का इस्तेमाल कई प्रकार की बीमारियों और लक्षणों के इलाज के लिए किया जाता है, जिनमें शामिल हैं: **बुखार कम करना, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, दांत दर्द, हल्का गठिया का दर्द, मासिक धर्म में ऐंठन, सामान्य सर्दी या फ्लू के कारण होने वाले दर्द और बेचैनी।**

ऑटिज़्म क्या है?

ऑटिज़्म या ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार (ASD) एक न्यूरो-डेवलपमेंटल (तंत्रिका-विकासात्मक) विकार है, जो मस्तिष्क के विकास में अंतर के कारण होता है। यह लोगों के संवाद करने, सीखने, व्यवहार करने और दूसरों के साथ बातचीत करने के तरीके को प्रभावित करता है। इसे "स्पेक्ट्रम" विकार कहा जाता है, क्योंकि इसमें लक्षणों की एक विस्तृत श्रृंखला और गंभीरता के विभिन्न स्तर होते हैं।

ऑटिज़्म कोई बीमारी नहीं है, बल्कि एक ऐसी स्थिति है जिसके साथ लोग जन्म से ही रहते हैं और यह जीवन भर रहती है।

ऑटिज़्म के कुछ सामान्य लक्षण:

- सामाजिक संवाद में कठिनाई:
- आंखों का संपर्क बनाने से बचना।
- दूसरों की भावनाओं को समझने या अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में परेशानी होना।
- बातचीत शुरू करने जारी रखने में मुश्किल होना।

दोहराव वाले व्यवहार और सीमित रुचियां:

- कुछ खास विषयों या वस्तुओं में अत्यधिक रुचि होना।
- हाथों को फड़फड़ाना, शरीर को हिलाना या वस्तुओं को घुमाने जैसी हरकतें बार-बार करना।

किसी भी रुटीन में बदलाव होने पर परेशान हो जाना।

किस वजह से होता ऑटिज़्म:

ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

- समय से पहले बच्चे का जन्म
- जन्म के दौरान जटिलताएँ
- जन्म के समय बच्चे का कम वजन होना
- किसी भाई-बहन का ऑटिज़्म से पीड़ित होना
- कुछ क्रोमोसोमल या जेनेटिक कंडीशन होना
- बच्चे के जन्म के समय माता-पिता की उम्र 35 या उससे ज्यादा होना
- प्रेग्नेंसी के दौरान माता-पिता द्वारा वैलप्रोइक एसिड या थैलिडोमाइड का इस्तेमाल

ऑटिज़्म का इलाज क्या है: मौजूदा वक्त में ऑटिज़्म का कोई पूर्ण इलाज उपलब्ध नहीं है। हालांकि, कुछ दवाओं की मदद से डिप्रेशन, दौरे, अनिद्रा और ध्यान केंद्रित करने में परेशानी जैसे लक्षणों को कम किया जा सकता है।

भारत ने मिग-21 को भावुक विदाई दी / India Bids Emotional Farewell to MiG-21

संदर्भ:

भारत ने भारतीय वायुसेना (IAF) के सबसे प्रतिष्ठित लड़ाकू विमान मिग-21 को आधिकारिक रूप से सेवा से विदाई दे दी। छह दशकों से अधिक समय तक आसमान की सुरक्षा करने वाला यह विमान कभी भारतीय वायुसेना की रीढ़ माना जाता था। मिग-21 का डीकमीशन होना न सिर्फ इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय का अंत है, बल्कि यह वायुसेना के आधुनिक और तकनीकी रूप से उन्नत बेड़े की ओर संक्रमण का संकेत भी है।

MiG-21 : एक परिचय-

- **सुपरसोनिक जेट फाइटर :** मिग-21 एक सुपरसोनिक (ध्वनि से तेज़) लड़ाकू विमान है।
- **डिज़ाइन :** इसे सोवियत संघ के मिकोयान-गुरेविच डिज़ाइन ब्यूरो (OKB) ने बनाया था।
- **भारतीय वायुसेना में शामिल :** 1963 में पहली बार भारतीय वायुसेना (IAF) में शामिल किया गया। यह भारत का पहला सुपरसोनिक जेट था।
- **भारतीय उत्पादन :** भारत की हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने रूस से लाइसेंस लेकर 657 मिग-21 विमान बनाए।
- **वैश्विक उत्पादन :** यह दुनिया का दूसरा सबसे अधिक संख्या में निर्मित जेट विमान है।
- **NATO नाम :** इसका NATO रिपोर्टिंग नाम 'Fishbed' है।
- **अन्य उपनाम (Nicknames) :**
  - **'Balalaika'**: इसके आकार का मिलान एक रूसी तार वाद्य यंत्र से होता है।
  - **'Ołówek' (पोलिश में 'पेंसिल')** – इसके लंबे और पतले ढांचे (fuselage) की वजह से।
  - **'Én Bạc' (वियतनामी में 'सिल्वर स्वालो')** – इसकी रफ्तार और रंग की वजह से।
- **युद्धों में भागीदारी :** मिग-21 ने दुनिया में सबसे ज्यादा युद्धों और संघर्षों में हिस्सा लिया है।

मिग-21 की भारत में एंट्री और HAL को तकनीक ट्रांसफर:

राजनीतिक पहल: इयान सी.सी. ग्राहम ने अपने लेख *"The Indo-Soviet MiG Deal and Its International Repercussions"* में लिखा है कि मिग-21 को भारत लाने में तत्कालीन रक्षा मंत्री **वी.के. कृष्ण मेनन** की अहम भूमिका रही।

- 1961 में भारत और रूस के बीच मिग-21 विमानों की खरीद को लेकर खबरें सामने आईं, लेकिन रक्षा मंत्रालय ने उस समय इनका खंडन किया।

पहली पुष्टि और शामिल होना :

- 1962 में एक अमेरिकी सांसद ने रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि भारत रूस से **दो स्क्वाड्रन मिग-21** खरीद रहा है।
- अंततः **अप्रैल 1963** में भारतीय वायुसेना ने मिग-21 को अपने बेड़े में शामिल कर लिया। यह भारत का पहला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान बना।

HAL को टेक्नोलॉजी ट्रांसफर:

- **1967 से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL)** को भारत में मिग-21 को असेम्बल करने और तकनीक हासिल करने का अधिकार मिला।
- इसके बाद HAL ने लाइसेंस के तहत बड़े पैमाने पर मिग-21 का उत्पादन किया।

मिग-21 की युद्ध में भूमिका:

1965 भारत-पाक युद्ध-

- पहली बार युद्ध में इस्तेमाल हुआ।
- पाकिस्तान के अमेरिकी लड़ाकू विमानों को कड़ी टक्कर दी।

1971 भारत-पाक युद्ध-

- मिग-21 भारतीय वायुसेना का सबसे बड़ा हथियार साबित हुआ।
- पाकिस्तान के कई एयरबेस तबाह कर दिए।
- युद्ध का रुख बदलने और भारत की जीत सुनिश्चित करने में निर्णायक भूमिका निभाई।

1999 कारगिल युद्ध-

- कारगिल की ऊँची पहाड़ियों पर दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमले किए।
- कठिन परिस्थितियों में भी भरोसेमंद साबित हुआ और भारतीय सेना को बढ़त दिलाई।

2019 बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद-

- हवाई झड़प में ग्रुप कैप्टन **अभिनन्दन वर्धमान** ने मिग-21 बायसन उड़ाते हुए पाकिस्तान के **एफ-16** को मार गिराया।
- यह मिग-21 की क्षमता और भारतीय पायलटों की बहादुरी का बड़ा सबूत था।

2025 ऑपरेशन सिंदूर-

- पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में चलाए गए अभियान में मिग-21 का उपयोग हुआ।
- इसे मिग-21 का **आखिरी बड़ा अभियान** माना जाता है।

ट्रम्प ने 1 अक्टूबर से फार्मा आयात पर 100% टैरिफ लगाने की घोषणा की / Trump Declares 100% Tariff On Pharma Imports From October 1

संदर्भ:

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दवा उद्योग को लेकर बड़ा ऐलान किया है। ट्रम्प ने घोषणा की है कि ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाइयों पर 100% टैरिफ लगाया जाएगा, जो 1 अक्टूबर 2025 से प्रभावी होगा।

अन्य सामानों पर भी लगाया टैरिफ-

अमेरिकी राष्ट्रपति **डोनाल्ड ट्रंप** ने आयातित दवाइयों पर 100% टैरिफ की घोषणा के साथ-साथ अन्य विदेशी उत्पादों पर भी बड़े पैमाने पर शुल्क लगाने का ऐलान किया है। ट्रंप ने कहा कि विदेशी उत्पादकों की वजह से अमेरिकी कंपनियों और कामगारों को नुकसान हो रहा है, इसलिए **राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक मजबूती** के लिए यह कदम उठाना आवश्यक है।

नई घोषणा के तहत:

- **किचन के सामान और बाथरूम वैनिटी पर** 50% टैरिफ
- **फर्नीचर पर** 30% टैरिफ
- **भारी ट्रकों और उनके पुर्जों पर** 25% टैरिफ

जेनेरिक दवाओं को मिली राहत:

- डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं पर 100% शुल्क लगाया जाएगा, जबकि जेनेरिक दवाओं को इससे छूट दी गई है। भारतीय फार्मा उद्योग के लिए यह राहत की बात है, क्योंकि अमेरिका भारतीय जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा बाजार है।
- डॉ. रेड्डीज, सन फार्मा, ल्यूपिन और अरबिंदो फार्मा जैसी कंपनियां लंबे समय से अमेरिकी बाजार में जेनेरिक दवाओं की सप्लाई पर निर्भर हैं और अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा यहीं से अर्जित करती हैं।

ब्रांडेड और जेनरिक दवाई क्या है?

ब्रांडेड दवाई:

- यह वह ओरिजिनल दवाई होती है जिसकी खोज किसी फार्मा कंपनी ने गहन रिसर्च और भारी खर्च के बाद की होती है।
- इसे बनाने वाली कंपनी को आमतौर पर 20 साल के लिए पेटेंट अधिकार मिलते हैं।
- इस दौरान कोई दूसरी कंपनी उस फॉर्मूले का इस्तेमाल करके दवाई नहीं बना सकती।
- रिसर्च और डेवलपमेंट के खर्च को वसूलने के लिए इसकी कीमत अक्सर बहुत ज्यादा होती है।

जेनरिक दवाई:

- यह वह दवाई होती है जो ब्रांडेड दवाई के पेटेंट खत्म होने के बाद बाजार में आती है।
- इसमें ब्रांडेड दवाई का वही फॉर्मूला इस्तेमाल किया जाता है, इसलिए नया पेटेंट नहीं होता।
- जेनरिक दवाई बनाने वाली कंपनियों को रिसर्च का खर्च नहीं उठाना पड़ता, इसलिए इसकी कीमत ब्रांडेड दवाई की तुलना में 80% से 90% तक कम हो सकती है।

ट्रंप ने ब्रांडेड दवाओं पर टैरिफ क्यों लगाया?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं पर 100% टैरिफ लगाने का फैसला मुख्य रूप से अमेरिका में दवा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए लिया है। यह कदम उनकी **'अमेरिका फर्स्ट' और 'मेक इन अमेरिका'** नीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह विदेशी निर्भरता कम कर घरेलू उद्योग को मजबूत करना चाहते हैं।

भारत-अमेरिका फार्मा व्यापार और टैरिफ का असर:

निर्यात में फार्मा का हिस्सा-

- भारत के कुल अमेरिकी निर्यात में **फार्मा उत्पादों का हिस्सा लगभग 13%** है।
- हर साल भारत अमेरिका को करीब **76,000 करोड़ रुपये के फार्मा प्रोडक्ट्स** निर्यात करता है।
- इनमें सबसे बड़ा हिस्सा **जेनेरिक दवाओं** का होता है।

भारतीय कंपनियों की निर्भरता-

- भारत की दवा कंपनियों की सबसे ज्यादा कमाई **अमेरिकी बाजार से** होती है।
- अगर अमेरिका जेनेरिक दवाओं पर **उच्च टैरिफ लगाता है**, तो:
  - भारतीय कंपनियों की **प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त (competitive edge)** कम हो जाएगी।
  - उनकी **मार्जिन (profit margins)** पर सीधा असर पड़ेगा।

आपसी टैरिफ की स्थिति-

- भारत अमेरिका से आयातित फार्मा प्रोडक्ट्स पर **10% टैरिफ** लगाता है।
- लेकिन अमेरिका का संभावित टैरिफ **काफी ज्यादा और व्यापक (broad-based)** होगा।
- इससे **द्विपक्षीय व्यापार संतुलन** (bilateral trade balance) बिगड़ सकता है।

नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन / National Skill Development Corporation

संदर्भ:

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने दिल्ली पुलिस में एनएसडीसी (नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन) के अधिकारियों के खिलाफ वित्तीय गड़बड़ी की शिकायत दर्ज कराई है। इस कदम ने भारत की प्रमुख स्किलिंग एजेंसी में सुशासन की खामियों और पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (NSDC):

- **स्थापना (Establishment)**
  - **31 जुलाई 2008** को स्थापित।
  - इसे **सेक्शन 25, कंपनी अधिनियम 1956** (अब सेक्शन 8, कंपनी अधिनियम 2013) के तहत **ना-फायदा (Not-for-profit) पब्लिक लिमिटेड कंपनी** के रूप में शामिल किया गया।
- **मॉडल (Model)**
  - **पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP)** मॉडल पर स्थापित।
  - यह वित्त मंत्रालय के अंतर्गत शुरू किया गया।
  - स्वामित्व संरचना:
    - भारत सरकार (MSDE के माध्यम से) – **49%**
    - निजी क्षेत्र – **51%**
- **लक्ष्य (Goal)**
  - मूल लक्ष्य था **2022 तक 15 करोड़ लोगों को स्किल/अपस्किल करना**।
  - अब इस लक्ष्य की समयसीमा **2030 तक बढ़ा दी गई है**।

भारत के स्किल इकोसिस्टम में NSDC की भूमिका-

- **फंडिंग सपोर्ट (Funding support):** निजी प्रशिक्षण साझेदारों को ऋण (loans), इक्विटी (equity) और अनुदान (grants) उपलब्ध कराता है।
- **प्रोग्राम डिज़ाइन (Programme design):** पाठ्यक्रम और प्रमाणन मानक (curriculum & certification standards) तैयार और लागू करता है।
- **इंडस्ट्री पार्टनरशिप (Industry partnerships):** कंपनियों के साथ सहयोग करके ट्रेनिंग को लेबर मार्केट की ज़रूरतों से जोड़ता है।
- **इम्प्लीमेंटेशन (Implementation):**
  - प्रमुख योजनाओं को लागू करता है, जैसे:
    - प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY)
    - स्टैंडर्ड ट्रेनिंग असेसमेंट एंड रिवॉर्ड स्कीम (STAR)

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY)

शुरुआत एवं प्रबंधन (Launch & Management)

- 2015 में शुरू की गई।
- कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) द्वारा प्रबंधित।
- नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (NSDC) द्वारा *स्किल इंडिया मिशन* के तहत लागू।

उद्देश्य (Objective)

- युवाओं को शॉर्ट-टर्म, प्रमाणन आधारित प्रशिक्षण देना।
- प्रशिक्षण पूरा करने पर **आर्थिक प्रोत्साहन** प्रदान करना।
- पहले से अर्जित कौशल की मान्यता (Recognition of Prior Learning – **RPL**) सुनिश्चित करना।

लक्षित समूह (Target Group)

- मुख्यत: भारतीय युवा (15–45 वर्ष आयु वर्ग)।
- विशेष ध्यान स्कूल और कॉलेज ड्रॉपआउट्स पर।

लक्ष्य (Goal)

- युवाओं की रोज़गार योग्यता (employability) और स्किल रेडीनेस को बढ़ाना।
- उद्योग से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से रोज़गार के अवसरों को मज़बूत करना।

स्टैंडर्ड ट्रेनिंग असेसमेंट एंड रिवॉर्ड स्कीम (STAR Scheme)

उद्देश्य (Objective)

- युवाओं को **कौशल विकास** के लिए प्रोत्साहित करना।
- स्वीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर **आर्थिक प्रोत्साहन (monetary rewards)** प्रदान करना।

कार्यान्वयन: यह योजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) और पब्लिक-पब्लिक पार्टनरशिप (PPP) मॉडल के जरिए लागू की जाती है।

कवरेज (Coverage): लॉन्च के पहले ही वर्ष में लगभग 10 लाख युवाओं को मार्केट-ड्रिवन स्किल ट्रेनिंग से लाभान्वित करने का लक्ष्य।

प्रोत्साहन (Incentives): प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर **वित्तीय लाभ (financial incentives)** दिए जाते हैं।

विश्व में कैंसर का बोझ / Global Trends in Cancer Burden

संदर्भ:

द लैंसेट में प्रकाशित 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिज़ीज़ेज़, इंजरीज़ एंड रिस्क फैक्टर्स स्टडी 2023' के विश्लेषण में 1990 से 2023 तक 204 देशों और क्षेत्रों में कैंसर के बोझ का अद्यतन अनुमान प्रस्तुत किया गया है, साथ ही 2050 तक के लिए इसके प्रक्षेपण भी दिए गए हैं।

विश्व में कैंसर का बोझ (Global Trends in Cancer Burden):

बढ़ते मामले और मृत्यु दर:

- 2023 में नए कैंसर के मामले **18.5 मिलियन** तक पहुँच गए, जो 1990 के मुकाबले **105% बढ़े**।
- इसी अवधि में **मृत्यु दर 74% बढ़ी**।

भविष्य की प्रोजेक्शन (Future Projection):

- 2050 तक **30.5 मिलियन नए मामले** और **18.6 मिलियन मौतें** होने का अनुमान।
- यह 2023 की तुलना में **75% की वृद्धि** दर्शाता है।

सबसे अधिक निदान होने वाला कैंसर:

- **स्तन कैंसर (Breast Cancer)** – वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक।

मुख्य मृत्यु का कारण: श्वासनली, ब्रोंकस और फेफड़े के कैंसर।

भारत में कैंसर (Cancer in India)

- **मामले:** 2023 में अनुमानित 5.43 मिलियन कैंसर मामले।
- **इंसिडेंस रेट:** उम्र-मानक दर (Age-standardised rate) बढ़कर 84.8 प्रति लाख (1990) से 107.2 प्रति लाख (2023) हो गई – 26.4% वृद्धि।
- **मॉर्टैलिटी रेट:** बढ़कर 71.7 प्रति लाख (1990) से 86.9 प्रति लाख (2023) – 21.2% वृद्धि।
- **कैंसर रजिस्ट्रियाँ:**
  - **38 रजिस्ट्रियाँ** ~12% जनसंख्या को कवर करती हैं।
  - 2022 में **1.4 मिलियन नए मामले** और **910,000 मौतें** दर्ज हुईं।
- **प्रमुख कैंसर प्रकार:**
  - **महिलाओं में:** स्तन (Breast), गर्भाशय ग्रीवा (Cervical), अंडाशय (Ovarian)
  - **पुरुषों में:** मुंह (Oral), फेफड़े (Lung), भोजन नली (Oesophagus)
  - **दोनों लिंगों में:** कोलन (Colon), पेट (Stomach)

विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) द्वारा प्रबंधित।

- नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (NSDC) द्वारा *स्किल इंडिया मिशन* के तहत लागू।

उद्देश्य (Objective)

- युवाओं को शॉर्ट-टर्म, प्रमाणन आधारित प्रशिक्षण देना।
- प्रशिक्षण पूरा करने पर **आर्थिक प्रोत्साहन** प्रदान करना।
- पहले से अर्जित कौशल की मान्यता (Recognition of Prior Learning – **RPL**) सुनिश्चित करना।

लक्षित समूह (Target Group)

- मुख्यत: भारतीय युवा (15–45 वर्ष आयु वर्ग)।
- विशेष ध्यान स्कूल और कॉलेज ड्रॉपआउट्स पर।

लक्ष्य (Goal)

- युवाओं की रोज़गार योग्यता (employability) और स्किल रेडीनेस को बढ़ाना।
- उद्योग से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से रोज़गार के अवसरों को मज़बूत करना।

स्टैंडर्ड ट्रेनिंग असेसमेंट एंड रिवॉर्ड स्कीम:

उद्देश्य (Objective)

- युवाओं को **कौशल विकास** के लिए प्रोत्साहित करना।
- स्वीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर **आर्थिक प्रोत्साहन (monetary rewards)** प्रदान करना।

कार्यान्वयन: यह योजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) और पब्लिक-पब्लिक पार्टनरशिप (PPP) मॉडल के जरिए लागू की जाती है।

कवरेज (Coverage): लॉन्च के पहले ही वर्ष में लगभग 10 लाख युवाओं को मार्केट-ड्रिवन स्किल ट्रेनिंग से लाभान्वित करने का लक्ष्य।

प्रोत्साहन: प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर **वित्तीय लाभ (financial incentives)** दिए जाते हैं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय / Pandit Deendayal Upadhyaya

संदर्भ:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे भारत के "विकसित भारत" के सफर में एक मार्गदर्शक शक्ति रहे हैं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय (1916–1968):

व्यक्तित्व और शिक्षा:

- राजनीतिक विचारक, अर्थशास्त्री और **भारतीय जनता संघ (BJS)** के नेता।
- एक **असाधारण विद्वान और समर्पित राष्ट्रभक्त**।
- कानपुर में पढ़ाई की और **राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS)** से जुड़े।
- 1942 में पूर्णकालिक **प्रचारक** बने।

वैचारिक दृष्टिकोण (Ideology):

- **एकात्म मानव दर्शन (Integral Humanism)**
  - आध्यात्मिक और भौतिक विकास के बीच **संतुलन** पर जोर।
  - **विकेन्द्रीकरण** और **स्वावलंबी, गाँव आधारित अर्थव्यवस्था** का समर्थन।
- **रचनात्मक राजनीति (Constructive Politics)**
  - सरकार के सही कदमों का समर्थन और गलत कदमों का विरोध।
  - हमेशा **राष्ट्रीय हित** को प्राथमिकता दी।

प्रमुख योगदान (Contributions):

- **वैचारिक पत्रकारिता**: **'राष्ट्र धर्म'** (मासिक), **'पंचजन्य'** (साप्ताहिक), और **'स्वदेश'** (दैनिक) पत्रिकाओं की शुरुआत।
- **राजनीतिक संगठन**
  - 1951 में उत्तर प्रदेश के लिए **भारतीय जनता संघ का पहला महासचिव**।
  - बाद में **सर्वो भारतीय महासचिव** भी रहे।
  - उनकी **संगठनात्मक क्षमता और समर्पण** ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सहित अन्य नेताओं को प्रभावित किया।
  - 1953 में मुखर्जी की मृत्यु के बाद पार्टी को मजबूत करने में

प्रांतीय नागरिकता / Provincial Citizenship

संदर्भ:

हाल ही में हुए एक अध्ययन में "प्रांतीय नागरिकता" की अवधारणा प्रस्तुत की गई है, जिसके जरिए समझाया गया है कि झारखंड जैसे राज्यों में निवास-आधारित पहचान की राजनीति भारत की एकीकृत राष्ट्रीय नागरिकता की संवैधानिक आदर्श को कैसे चुनौती देती है।

प्रांतीय नागरिकता (Provincial Citizenship):

- **परिभाषा और विचारधारा**
  - यह **स्थानीयतावादी (nativist) भावना** पर आधारित है।
  - इस प्रकार की नागरिकता **क्षेत्रीय राजनीति में जोर पकड़ती है**, जिससे **आंतरिक प्रवासी** अक्सर हाशिए पर चले जाते हैं।
  - लोकतांत्रिक निर्णय (democratic adjudication) को भी यह **जटिल बना देती है**।
- **भारत में प्रचलन**
  - यह भारत में एक **बढ़ता राजनीतिक fenómenoм** बन गया है।
  - प्रत्येक राज्य में **डोमिसाइल (domicile) स्थिति** राजनीतिक पहचान और जन mobilization का महत्वपूर्ण कारक बन गई है।
  - यह विचार को चुनौती देती है कि भारत में **एकल राष्ट्रीय नागरिकता (one national citizenship)** हो।
- **राजनीतिक वास्तविकता**
  - प्रवास, पहचान और नागरिकता अधिकारों पर **बातचीत और विवाद** उत्पन्न करता है।
  - भारत के संघीय ढांचे में यह **महत्वपूर्ण राजनीतिक वास्तविकता** बन चुका है।

हालिया अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष:

- **राज्यों का उदाहरण**
  - **झारखंड, जम्मू-कश्मीर और असम** में डोमिसाइल नीतियों का **राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल**।
  - यह नीतियाँ अक्सर **स्थानीयतावादी और बहुसंख्यक (majoritarian) भावनाओं** पर आधारित होती हैं।
- **झारखंड का मामला**
  - डोमिसाइल राजनीति का उपयोग **क्षेत्रीय पहचान और शिकायतों को उजागर करने** के लिए किया जाता है।
  - इससे संविधान में निहित आदर्श **"एक राष्ट्र, एक नागरिकता"** कमजोर पड़ता है।

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
इतिहास
अर्थव्यवस्था
भूगोल
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
1500x4
₹6000/-
₹4500/-
रोज़ाना लाइव क्लासेस
साप्ताहिक टेस्ट
क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
लाइव डाउट सेशन
रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न
COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
COURSE FEE
₹4000/-
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
BBK
Baaten Bazaar ki
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
Baaten Bazar Ki
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
FUN
15%
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE

BBK
BaatenBazar ki

EMI AVAILABLE

\+ (FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)

FREE

- Long-Term Investing Foundations
- Principles of Value Investing and Stock
- Portfolio Construction Mastery
- Sectoral Investing
- Stock Picking Framework
- Active Portfolio Management Techniques
- Mega Cap vs Mid Cap Strategy

SPECIAL BONUS

COURSE VALIDITY
1 YEAR